विकास में सहभागिता का महत्व

गतिविधियां–रात्रि सत्र	सांय 8.30 से 9.30 बजे तक	
	अवधि	अपेक्षित परिणाम
सुगमकर्ता द्वारा संभागियों को समूह में बाँटकर ग्राम योजना को समझाना	15 मिनट	प्रतिभागी समझ सकेंगे कि सबके हित में अपना हित सम्मिलित है तथा सहभागिता की ताकत महसूस कर पायेंगे।
खेल की चार आवृत्ति करना	20 मिनट	
टेबिल बनाकर लाभ/हानि की गणना	5 मिनट	
गतिविधि पर चर्चा एवं PEEOके सन्दर्भ में इसकी उपादेयता	15 मिनट	
वीडियो क्लिप (सरपंच द्वारा शिक्षण)	5 मिनट	

गतिविधि का संचालन कैसे करें ?

विधि :–

I. संभागी चार समूहों में बँटकर कमरे के चार कोनों में बैठेंगे। पूरा कमरा एक गाँव है और प्रत्येक समूह गाँव का एक मौहल्ला हैं।

II. सुगमकर्ता सरकार की एक काल्पनिक योजना बताएगा :–
इस योजना में प्रत्येक बास (मौहल्ला) को दो में से एक कार्य अपने बास (मौहल्ला) में करना हैं, जैसे :– नीम के पौधे लगाना अथवा आम के पौधे लगाना।

III. योजना में सरकार की निम्न शर्तें हैं :–

- यदि एक बास नीम व तीन बास आम लगायेंगे तो नीम लगाने वाले बास को 4000/– रूपये अनुदान एवं शेष अन्य तीन बास में प्रत्येक को 4000/– रूपये हर्जाना देना पड़ेगा।
- यदि 2 बास नीम व 2 बास आम लगायेंगे तो नीम वाले बासों को 2–2 हजार रूपये का हर्जाना व आम वाले दोनों बासों को 2–2 हजार रूपये का अनुदान मिलेगा।
- यदि 3 बास नीम और 1 बास आम लगाते हैं, तो नीम वाले बास में प्रत्येक को 1000/– रूपये का अनुदान और आम वाले बास को 1000/– रूपये का हर्जाना भरना पड़ेगा।

- यदि चारों बास आम लगाते हैं, तो प्रत्येक को 1000/– रूपये का अनुदान मिलेगा।
- यदि चारो बास नीम लगाते हैं, तो प्रत्येक को 1000/–रूपये का हर्जाना भरना होगा।

IV. एक बार खेल खिलाने के बाद अनुदान एवं हर्जाने की राशि दुगुनी कर देते हैं।

V. तीसरी बार खेल खिलाने के लिए प्रत्येक बास के एक–एक नेता को बुलाये। उनको बाहर भेजकर गाँव के विकास के बारे में बात करने को कहें। अब राशि को तिगुनी कर दे।

VI. चारों बासों के लोागों को एक स्थान पर बैठकर आपस में गाँव के विकास के बारे में चर्चा करने दे। अब उनको पुनः अपने बासों में भेज दे। अब की बार राशि भी चार गुना कर दे। इस खेल में प्रत्येक बास के हर बार के अनुदान व हर्जाने को श्यामपट्ट पर निम्न प्रकार तालिका बनाकर लिखें :–

मोहल्ला (बास) का नाम	I	II	III	IV	कुल योग
A B C D					
कुल योग					

- अन्त में प्रत्येक बास के लाभ/हानि को जोडकर गाँव के कुल लाभ/हानि की गणना की जायेगी।

चिंतन मनन के प्रश्न :–

- गाँव को अधिकतम कितना लाभ हो सकता था ? यह क्यो नहीं हुआ ?
- इस गतिविधि को अपने परिक्षेत्र के विद्यालयों के विकास एवं चुनौतियों से कैसे जोड़ सकते हैं।
- समुदाय की अधिकतम सहभागिता प्राप्त करने के उद्देश्य से एक वीडियो क्लिप का प्रदर्शन।

प्रमुख संदेश :–

1. सबके विकास के लिए समग्र लाभ देखें न कि व्यक्तिगत।
2. सभी द्वारा मिलजुलकर विकास करने, खोजने एवं लक्ष्य तक पहुँचने की प्रक्रिया सहभागिता हैं।
3. पीईईओ के रूप में अपने परिक्षेत्र के विद्यालयों के समग्र विकास को उक्त गतिविधि के परिप्रेक्ष्य में भी देखा जाय।